नंदिग्राम टाईम्स

RNI NO. MAHHIN/2016/69743 EDITOR : SHAIKH JAHUR AHEMAD

Tuesday 13th January 2026 | ● वर्ष - 9 | ● अंक 258 | ● पृष्ठ 04 | ● मूल्य - 2 रूपए | ● www.nandigramtimes.com

उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड और घना कोहरा, हरियाणा-पंजाब-राजस्थान में मौसम विभाग ने चेतावनी जारी

नई दिल्ली, 13 जनवरी 2026: उत्तर भारत में मौसम का मिज़ाज और भी ठंडा हो गया है, जहां शीतलहर और घना कोहरा ने कई हिस्सों को अपने शिकंजे में ले रखा है। दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा, पंजाब और राजस्थान के मैदानी इलाकों में न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी नीचे दर्ज किया गया है, जिससे आम जनजीवन और यात्रा पर असर पड़ा है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक इन राज्यों में शीतलहर और घने कोहरे के साथ ठंड के बढ़ने की चेतावनी दी है।

दिल्ली में रिकॉर्ड ताज़ा सर्दी का सामना हुआ है, जहां न्यूनतम तापमान 3.2 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया और मैदानी इलाकों में पाला और कोहरा जम गया। हरियाणा से पंजाब तक कई स्थानों पर घना कोहरा छाया रहा, जिससे दृश्यता कम हो गई और सड़क तथा रेल परिचालन प्रभावित हुआ।

राजस्थान के कुछ इलाकों में तापमान जमाव बिंदु से कम दर्ज किया गया, विशेष रूप से फतेहपुर तथा अन्य हिस्सों में गंभीर सर्दी का दौर जारी है। प्रदेश के 15 जिलों में घना कोहरा और तेज़ ठंड के लिए अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि आने वाले दिनों में शीतलहर और कोहरे की स्थितियाँ बनी रहेंगी, जिससे सड़क, रेल और हवाई यात्रा प्रभावित हो सकती है। लोगों से स्वास्थ्य की सुरक्षा और यात्रा के समय अतिरिक्त सावधानियाँ बरतने की सलाह दी गई है।

INDIA NEWS | पीएम मोदी ने 'जेन-जी' को दिया बड़ा संदेश,

पीएम मोदी ने 'जेन-जी' को दिया बड़ा संदेश, प्रेजेंटेशन देखकर बोले- भारत के युवाओं का मिजाज पता चल गया

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि भारत का 'जेन जी' सृजनात्मकता और ऊर्जा से भरा हुआ है और उसे जोखिम लेने से पीछे नहीं हटना चाहिये क्योंकि सरकार को उसके सामर्थ्य पर पूरा भरोसा है। विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद के समापन समारोह में देश-विदेश से आए युवाओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बहुत कम समय में यह संवाद इतना बड़ा मंच बन गया है जहां देश के विकास की दिशा तय करने में युवाओं की सीधी भागीदारी होती है।

भारत में जेन-जी का मिजाज सृजनात्मकता से भरा हुआ

उन्होंने कहा कि दुनिया के अनेक देशों में थिंकटैंक शब्द प्रचलित है। इसकी चर्चा होती है और इसका प्रभाव भी बहुत होता है। मैंने आज जो प्रेजेंटेशन देखें और जिस तरह से कड़ी प्रतिस्पर्धाओं के बाद आप यहां तक आए हैं, इसने दुनिया में अनोखे थिंकटैंक के रूप में जगह बनाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि जिन विषयों पर आपने चर्चा की है खासकर महिला नीति विकास और लोकतंत्र में युवाओं की भागीदारी जैसे गंभीर विचारों पर प्रस्तुति प्रशंसनीय है। यह दिखाता है कि भारत में जेन जी का मिजाज क्या है । भारत का जेन जी कितनी सृजनात्मकता से भरा हुआ है।

उन्होंने कहा कि 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद की जयंती युवा दिवस के रूप में मनाई जाती है और राष्ट्र सर्वप्रथम की भावना के साथ जीने के लिये उनका जीवन प्रेरणास्पद है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचार आज भी हर युवा के लिये प्रेरणा हैं।

हमारे जीवन का लक्ष्य क्या है, कैसे हम राष्ट्र सर्वप्रथम की भावना के साथ अपना जीवन जियें। इस दिशा में स्वामी विवकानंद का जीवन हमारे लिये प्रेरक है । उनका स्मरण करते हुए हम हर साल 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस मनाते हैं और इस दिन को भी विकसित भारत युवा संवाद के लिये चुना गया है।

हमारी सरकार ने जेन-जी युवाओं के लिए असीम अवसर पैदा किए

उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में उनकी सरकार ने स्टार्टअप और डिजिटल क्रांति के जरिये युवाओं के लिये असीम अवसर पैदा किये और इस दिशा में लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हमें युवाओं के सामर्थ्य पर भरोसा है इसलिये हमने पिछली सरकारों से अलग राह चुनी जिससे स्टार्टअप क्रांति ने गति पकड़ी। स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया जैसी पहल की गई। ऐसे क्षेत्र जहां पहले सिर्फ सरकार की चलती थी, उन्हें युवा उद्यमियों के लिये खोला गया।

विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद भारत के युवाओं को नेतृत्व के लिये तैयार करने का राष्ट्रीय मंच है। नौ से 12 जनवरी तक भारत मंडपम में आयोजित इस संवाद में विभिन्न स्तर पर देश भर के 50 लाख से अधिक युवाओं ने भाग लिया । राष्ट्रीय डिजिटल क्विज, निबंध लेखन और प्रदेश स्तरीय विजन प्रेजेंटेशन समेत तीन स्तर की चयन प्रक्रिया के बाद तीन हजार युवा यहां पहुंचे ।

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन: किराया, लॉन्च और खास फीचर्स

NEWS AGENCY |

भारतीय रेलवे वंदे भारत स्लीपर ट्रेन जल्द ही शुरू करने जा रहा है, जिसकी 17 जनवरी 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लॉन्चिंग की संभावना है। यह ट्रेन खासकर लंबी दूरी और रात की यात्रा के लिए तैयार की गई है और पूरी तरह वातानुकूलित कोचों में चलेगी। इसमें आरएसी या वेटिंग टिकट नहीं मिलेगा — यात्रियों को केवल कन्फर्म टिकट ही उपलब्ध होंगे, जिससे यात्रा में निश्चितता और सुविधा बढ़ेगी।

किराया एयरलाइन-जैसी दूरी आधारित प्रणाली पर निर्धारित किया गया है। सभी टिकटों के लिए न्यूनतम चार सौ किलोमीटर की दूरी का किराया लागू होगा, भले ही यात्रियों की वास्तविक दूरी उससे कम हो। 3AC में प्रति किलोमीटर ₹2.4, 2AC में ₹3.1 और प्रथम AC में ₹3.8 निर्धारित किया गया है। इसका मतलब है कि 400 किमी तक के लिए 3AC में ₹960, 2AC में ₹1,240 और 1AC में ₹1,520 न्यूनतम किराया होगा (GST अलग से लगेगा)।

पहली ट्रेन गुवाहाटी–हावड़ा/कोलकाता रूट पर चलेगी, जहां यात्रियों को बेहतर कोच डिज़ाइन, आरामदायक बर्थ, आधुनिक सुविधाएँ और गति का बेहतर अनुभव मिलेगा। यह सेवा मौजूदा मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों की तुलना में तेज़, अधिक आरामदायक और आधुनिक सुविधाओं से लैस होगी।

राज्य निर्वाचन आयोग ने 'लाडकी बहिन' योजना का अग्रिम भुगतान किया रोक, नगर निकाय चुनाव से पहले विवाद बढ़ा

मुंबई, 12 जनवरी 2026: महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग (State Election Commission) ने मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना के तहत लाभार्थी महिलाओं को जनवरी माह की अग्रिम किश्त जारी करने पर रोक लगा दी है। आयोग ने यह निर्णय आगामी नगरपालिका (निकाय) चुनावों के मद्देनज़र लिया है ताकि चुनावी प्रक्रिया निष्पक्ष और स्वतंत्र बने। आदेश के अनुसार, आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण योजना के तहत अग्रिम लाभ वितरण फिलहाल स्थगित रहेगा और यह रोक चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक लागू रहेगी।

लाडकी बहिन योजना का लक्ष्य राज्य की महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान करना है, लेकिन चुनाव से ठीक पहले लाभ का अग्रिम वितरण संभावित रूप से मतदाताओं को प्रभावित करने वाला माना जा रहा है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि आचार संहिता के दौरान सरकारी घोषणाओं और लाभ के वितरण को सीमित किया जाए ताकि किसी भी राजनीतिक दल को इसका अनुचित लाभ न मिले।

राज्य सरकार पहले दिसंबर 2025 और जनवरी 2026 की दो महीनों की कुल ₹3,000 की किश्तें 14 जनवरी को लाभार्थियों के बैंक खातों में देने का प्रस्ताव कर रही थी, जो चुनाव से एक दिन पहले है। इस निर्णय के खिलाफ विपक्षी कांग्रेस ने चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज करवाई थी और इसे आचार संहिता का उल्लंघन बताया था। आयोग ने सत्ताधारी सरकार से स्पष्टीकरण भी माँगा है।

कांग्रेस का कहना है कि चुनाव से ठीक पहले ऐसी वित्तीय सहायता से चुनाव परिणाम पर असर पड़ेगा, जबकि सरकार का दावा है कि यह योजना पहले से चल रही है और इसका नियमित लाभ महिलाओं को मिलना चाहिए। इस विवाद ने चुनावी माहौल को और गरम कर दिया है, जहाँ लाडकी बहिन योजना राजनीतिक संघर्ष का केंद्र बन चुकी है।

आयोग के फैसले के बाद अब लाभार्थियों को नियमित लाभ तो दिया जा सकता है, लेकिन अग्रिम किश्त को रुकावट के कारण आगामी प्रक्रिया के बाद ही जारी किया जाएगा। इससे योजना और चुनाव के बीच संतुलन बनाए रखने का प्रयास किया जा रहा है।

बांग्लादेश में हिंदू ऑटो-रिक्शा चालक की बेरहमी से हत्या: बढ़ते अल्पसंख्यक पर हमले

बांग्लादेश के फेनी ज़िले के डागनभुइयान इलाके में 11 जनवरी 2026 की रात 28-29 वर्षीय समीर कुमार दास नाम के एक हिंदू ऑटो-रिक्शा चालक को बेरहमी से पीटकर मार दिया गया पाया गया। स्थानीय पुलिस और परिवार के अनुसार, दास रात में घर नहीं लौटा, जिसके बाद उसकी तलाश की गई और सुबह ख़ून से सना शव पास के इलाके में मिला, जबकि उसका ऑटो-रिक्शा चोरी हो चुका था। पुलिस हत्या का कारण जांच कर रही है और शव को आगे की प्रक्रिया के लिए अस्पताल भेज दिया गया है।

यह घटना बांग्लादेश में हिंदी अल्पसंख्यक समुदाय पर बढ़ते लक्षित हमलों के बीच सामने आई है। पिछले कुछ हफ्तों में कई हिंदू नागरिकों को हिंसा का सामना करना पड़ा है, जिसमें दुकान मालिकों और अन्य समुदाय के लोगों की हत्या की खबरें भी शामिल हैं। इन घटनाओं ने न केवल अल्पसंख्यक समुदाय में डर और चिंता फैलाई है, बल्कि मानवाधिकार संगठनों और क्षेत्रीय समुदायों के बीच सुरक्षा और न्याय की मांग को भी तेज कर दिया है।

स्थानीय राजनीतिक और सामाजिक संगठनों ने इस तरह की घटनाओं की कड़ी निंदा की है और बांग्लादेश सरकार से सख्त कार्रवाई और अल्पसंख्यकों की बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया है, ताकि आगे ऐसी दुखद घटनाएँ रोकी जा सकें।

लोकायुक्त कार्यालय के कर्मचारियों को चुनावी कार्य से हटाया; नोटिस पर न्यायालय ने रोक लगाई

मुंबई: मुंबई महापालिका चुनाव की तैयारियों के दौरान लोकायुक्त और उप-लोकायुक्त कार्यालय के लगभग 44 कर्मचारियों को चुनावी कार्य के लिए तैनात करने का मामला विवादास्पद बन गया। लोकायुक्त ने इस नियुक्ति को अवैध बताते हुए आपत्ति जताई। न्यायालय ने कर्मचारियों को भेजी गई नोटिस पर अंतरिम रोक लगा दी है। लोकायुक्त कार्यालय ने कहा कि ये कर्मचारी अपने नियमित और संवेदनशील कार्यों में लगे हैं, इसलिए उन्हें चुनावी कार्य में नहीं लगाया जाएगा। महापालिका आयुक्त भूषण गगराणी ने स्वीकार किया कि कर्मचारियों को नोटिस भेजने में त्रुटि हुई।

फडणवीस का उद्धव ठाकरे को करारा जवाब: 'रशीद मामू' बयान से बालासाहेब ठाकरे तक तीखी टिप्पणी

मुंबई | मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव 2026 के प्रचार के बीच मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शिवसेना (उद्धव ठाकरे) पर तीखा हमला बोला है। उद्धव ठाकरे ने पहले एक सार्वजनिक सभा में फडणवीस और उनके परिवार को लेकर सवाल खड़े किए थे, जिसमें उन्होंने पूछा था कि क्या फडणवीस हिन्दू हैं या नहीं। इसपर फडणवीस ने शिवाजी पार्क में आयोजित सभा में सशक्त जवाब दिया, जिसमें उन्होंने उद्धव ठाकरे की आलोचना को खारिज करते हुए कहा कि यह राजनीति में खोटे आरोप और बयानबाजियों का भाग है।

फडणवीस ने कहा कि वह हमेशा विकास और प्रशासन पर ध्यान केंद्रित करते हैं, वहीं उद्धव ठाकरे द्वारा किए गए आरोप योजना और विकास के मुद्दों से भटकाने वाले हैं। उन्होंने कहा कि उद्धव द्वारा उठाए गए प्रश्नों और टिप्पणियों में कोई सच्चाई नहीं है, और यह केवल चुनावी राजनीति का हिस्सा है। फडणवीस ने यह भी कहा कि उनके खिलाफ जो बोल रहे हैं, वह खुद ही अपने बयान से अपनी पार्टी की कमजोरियों को उजागर कर रहे हैं।

सबसे अधिक चर्चा का विषय तब बना जब फडणवीस ने 'रशीद मामू' के संदर्भ में उद्धव ठाकरे के आरोप को चुनौती दी और कहा कि यदि उद्धव की यह सोच सही होती तो महाराष्ट्र के महान नेता बाळासाहेब ठाकरे को स्वर्ग में शर्मिंदगी होती, क्योंकि उन्होंने हमेशा हिंदुत्व और मराठी भावना का समर्थन किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनका खुद का परिवार और उनकी हिन्दुत्व आधारित राजनीति उन मूल्यों का प्रतिनिधित्व करती है, जिन पर बाळासाहेब ठाकरे ने कार्य किया था। फडणवीस का यह कड़ा बयान भाजपा-शिंदे गठबंधन की चुनावी रणनीति के हिस्से के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें वे उद्धव ठाकरे और उनके सहयोगियों के नेतृत्व की राजनीतिक वैधता पर सवाल उठा रहे हैं। चुनावी माहौल में यह बयान महाराष्ट्र की राजनीति को और अधिक गर्मा रहा है, क्योंकि दोनों पक्ष जनता को प्रभावित करने की रणनीति में लगे हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार यह बहस केवल व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित नहीं है, बल्कि यह महाराष्ट्र के भावी राजनीतिक समीकरणों को भी प्रभावित कर सकती है, खासकर तब जब चुनाव नज़दीक हैं और हर छोटे-बड़े बयान का जनभावना पर असर पड़ रहा है।

ठाणे में राज ठाकरे का जोरदार भाषण: महायुति पर 1 से 15 करोड़ रुपये की "ऑफर" का आरोप

ठाणे में आगामी नगर निगम चुनाव 2026 के प्रचार के बीच महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। एक संयुक्त सभा में उन्होंने कहा कि महायुति के नेताओं ने कुछ उम्मीदवारों को निवडणूक से नाम वापस लेने के लिए लाखों और करोड़ों रुपये की "ऑफर" दी, जो लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। उन्होंने बताया कि एक ही परिवार के तीन उम्मीदवारों को 15 करोड़ रुपये, एक महिला उम्मीदवार को 5 करोड़ रुपये और एक अन्य को 1 करोड़ रुपये की पेशकश की गई थी, लेकिन सभी ने इसे ठुकरा दिया।

राज ठाकरे ने यह भी आरोप लगाया कि महायुति केवल विकास के दावों के पीछे चुनावी समर्थन हासिल करने की राजनीति कर रही है, जबकि वोट खरीदने जैसी अनैतिक गतिविधियाँ हो रही हैं। उन्होंने कल्याण-डोंबिवली क्षेत्र का हवाला देते हुए कहा कि जहां घर-घर 5,000 रुपये बांटे जा रहे हैं, वहां यह समझना मुश्किल है कि विकास का दावा कैसे सच्चा माना जाए।

राज ठाकरे ने भाजपा और शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) पर भी निशाना साधा, कहा कि चुनाव को "बाजार" जैसा बना दिया गया है जहाँ पैसों का लेन-देना चल रहा है। उन्होंने उपस्थितों से अपने "स्वाभिमानी" खून पर गर्व करने को कहा, क्योंकि इतने भारी प्रस्तावों के बावजूद उम्मीदवारों ने अपनी मान-मर्यादा नहीं छोड़ी और चुनावी मैदान में बने रहे।

राज ठाकरे के इस भाषण ने चुनावी राजनीति को और अधिक गरमागरम कर दिया है। प्रतिद्वंद्वी महायुति दल ने इस आरोप का अभी तक औपचारिक जवाब नहीं दिया है, लेकिन राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार यह मुद्दा आने वाले दिनों में मतदाता भावना और चुनाव पर व्यापक प्रभाव डाल सकता है।

महानगर पालिका चुनाव और महाराष्ट्र की लोकतांत्रिक कसौटी

संपादकीय अग्रलेख |

महाराष्ट्र में इन दिनों स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनाव राज्य की राजनीति के केंद्र में हैं। लंबे अंतराल के बाद महानगर पालिकाओं, नगरपालिकाओं और नगर परिषदों के चुनावों की प्रक्रिया निर्णायक मोड़ पर पहुँची है। यह केवल शहरी निकायों के प्रतिनिधि चुनने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह राज्य के लोकतंत्र, प्रशासनिक कार्यक्षमता और राजनीतिक परिपक्वता की वास्तविक परीक्षा भी है। 13 जनवरी 2026 को खड़े होकर देखें तो साफ प्रतीत होता है कि ये चुनाव आने वाले वर्षों की महाराष्ट्र की राजनीति की दिशा तय करने वाले हैं।

महाराष्ट्र देश का सबसे अधिक शहरीकरण वाला राज्यों में से एक है। राज्य में इस समय कुल 29 महानगर पालिकाएँ हैं, जिनके चुनाव अत्यंत महत्वपूर्ण माने जाते हैं। इनमें देश की सबसे बड़ी और सबसे प्रभावशाली महानगर पालिका बृहन्मुंबई महानगर पालिका (मुंबई) शामिल है, जिसे एशिया की सबसे समृद्ध नगर पालिका माना जाता है। इसके अलावा पुणे, नागपुर, ठाणे, नासिक, पिंपरी-चिंचवड़, कल्याण-डोंबिवली, वसई-विरार, नवी मुंबई, मिरा-भायंदर, उल्हासनगर, भिवंडी-निज़ामपुर, पनवेल, संगली-मिराज-कुपवाड़, सोलापुर, अकोला, अमरावती, लातूर, चंद्रपुर, धुले, जालना, मालेगांव, अहमदनगर, परभणी, नांदेड, कोल्हापुर जैसी प्रमुख महानगर पालिकाएँ राज्य के शहरी ढांचे की रीढ़ हैं। इन शहरों के फैसले न केवल स्थानीय बल्कि राज्य की समग्र दिशा को प्रभावित करते हैं।

पिछले कुछ वर्षों से महाराष्ट्र में नगर निकाय चुनाव विभिन्न कारणों से टलते रहे। ओबीसी आरक्षण को लेकर न्यायालयीन प्रक्रियाएँ, वार्ड रचना और परिसीमन जैसे तकनीकी व कानूनी मुद्दों के चलते कई महानगर पालिकाएँ लंबे समय तक प्रशासकों के माध्यम से संचालित होती रहीं। इसका सीधा असर लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व पर पड़ा। जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों के अभाव में प्रशासनिक जवाबदेही कमजोर हुई और निर्णय-प्रक्रिया में जनभागीदारी सीमित हो गई।

संविधान का 74वां संशोधन स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं को लोकतंत्र की बुनियाद मानता है। इसका उद्देश्य है कि शहरों के विकास से जुड़े निर्णय वहीं लिए जाएँ, जहाँ उनके प्रभाव पड़ते हैं। पानी, सफाई, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, सार्वजनिक परिवहन और पर्यावरण जैसे विषय नगर पालिकाओं के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। इसके बावजूद, दुर्भाग्यवश नगर निकाय चुनाव अक्सर राज्य और राष्ट्रीय राजनीति की छाया में दब जाते हैं। स्थानीय मुद्दों की जगह सत्ता समीकरण और दलगत राजनीति हावी हो जाती है, जो स्वस्थ लोकतंत्र के लिए चिंताजनक संकेत है।

राज्य में सत्तारूढ़ गठबंधन और विपक्ष—दोनों के लिए ये चुनाव प्रतिष्ठा की लड़ाई बन चुके हैं। सत्ता पक्ष विकास परियोजनाओं, बुनियादी ढांचे, निवेश और सरकारी योजनाओं को अपनी उपलब्धि के रूप में पेश कर रहा है। वहीं विपक्ष शहरी अव्यवस्था, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, ट्रैफिक जाम, जल संकट और सफाई व्यवस्था की बदहाली जैसे मुद्दों को जनता के सामने ला रहा है। यह राजनीतिक टकराव स्वाभाविक है, लेकिन सवाल यह है कि क्या इस बहस के केंद्र में वास्तव में नागरिकों की रोजमर्रा की समस्याएँ हैं?

नांदेड, नासिक, पुणे, ठाणे और मुंबई जैसे शहरों में चुनावी माहौल यह दर्शाता है कि नगर निकाय चुनाव अब केवल स्थानीय नहीं रह गए हैं। उम्मीदवार चयन से लेकर प्रचार तक में बड़े नेताओं की मौजूदगी यह संकेत देती है कि राजनीतिक दल इन चुनावों को भविष्य की सत्ता की बुनियाद के रूप में देख रहे हैं। इससे चुनाव का महत्व तो बढ़ता है, लेकिन यह खतरा भी पैदा होता है कि नगरसेवक स्थानीय समस्याओं के समाधान के बजाय राजनीतिक दबावों में उलझकर रह जाएँ।

इन चुनावों में प्रशासन की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। राज्य निर्वाचन आयोग और जिला प्रशासन पर निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने की जिम्मेदारी है। मतदान के दिन कर्मचारियों को अवकाश या समय की छूट देना, आदर्श आचार संहिता का सख्ती से पालन कराना और धनबल-बाहुबल पर अंकुश लगाना लोकतंत्र की मजबूती के लिए अनिवार्य है। साथ ही, अवैध निर्माण, अतिक्रमण, रेत खनन और भ्रष्टाचार जैसे मामलों में प्रशासन की निष्पक्षता भी जनता की कसौटी पर रहेगी।

महाराष्ट्र के शहरी क्षेत्र तेज़ी से बढ़ रहे हैं, लेकिन विकास की गति हर जगह समान नहीं है। स्मार्ट सिटी, अमृत योजना और अन्य शहरी योजनाओं के बावजूद कई शहर आज भी मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। नगर निकाय चुनावों के दौरान राजनीतिक दलों को लुभावने वादों के बजाय व्यावहारिक, समयबद्ध और वित्तीय रूप से संभव योजनाएँ प्रस्तुत करनी चाहिए। घोषणापत्र केवल चुनावी दस्तावेज़ न बनें, बल्कि शहरी विकास का रोडमैप हों।

राजनीतिक दलों के लिए यह आत्ममंथन का भी अवसर है। टिकट वितरण में पारदर्शिता, योग्य और ईमानदार उम्मीदवारों को प्राथमिकता तथा आंतरिक लोकतंत्र की मजबूती ही दलों की विश्वसनीयता तय करती है। यदि नगर निकाय चुनावों में भी परिवारवाद, गुटबाजी और धनबल हावी रहा, तो इसका सीधा नुकसान लोकतंत्र को होगा।

मतदाताओं की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। शहरी क्षेत्रों में स्थानीय चुनावों में कम मतदान प्रतिशत एक गंभीर चिंता का विषय रहा है। नागरिकों को यह समझना होगा कि नगरसेवक और महापौर उनके दैनिक जीवन को सीधे प्रभावित करते हैं। जागरूक और जिम्मेदार मतदान ही बेहतर शहरों की नींव रख सकता है।

इस संपादकीय के माध्यम से यही कहना है कि महाराष्ट्र की 29 महानगर पालिकाओं के चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का माध्यम नहीं, बल्कि लोकतंत्र को जमीनी स्तर पर मजबूत करने का अवसर हैं। यदि यह अवसर सही ढंग से उपयोग में लाया गया, तो महाराष्ट्र के शहर न केवल बेहतर प्रशासित होंगे, बल्कि राज्य की राजनीति भी अधिक परिपक्व और उत्तरदायी बनेगी। यही आज की आवश्यकता है और यही भविष्य की सही दिशा।

असीम मुनीर की बादशाहत को पाकिस्तानी वायुसेना प्रमुख कर रहे चैलेंज? एक के बाद एक कर रहे विदेश दौरा

इस्लामाबाद: पाकिस्तान का सैन्य नेतृत्व पिछले एक साल से कुछ ज्यादा ही ग्लोबलाइज हो रहा है। पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से दो बार मुलाकात की। अब पाकिस्तान के वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर सिद्धू पूरी दुनिया के वायुसेना प्रमुखों और वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकातें कर रहे हैं। इसे पाकिस्तान की सैन्य कूटनीति का असामान्य दौर बताया जा रहा है। पाकिस्तानी सेना और वायुसेना ऐसे समय में हाथ पैर चला रही है, जब उनका खुद का देश घरेलू उठापठक और आर्थिक संकट का सामना कर रहा है।

पाकिस्तानी सैन्य नेतृत्व का विदेश दौरा

विशेषज्ञों का मानना है कि वरिष्ठ अधिकारियों के ये विदेशी दौरे दिखाते हैं कि पाकिस्तानी सैन्य नेतृत्व ने सुरक्षा, आर्थिक और भू-राजनीतिक मुद्दों पर बाहरी साझेदारों के साथ सीधे जुड़ने की कोशिश कैसे की।
इसमें अमेरिका से लेकर चीन और सऊदी अरब-लीबिया से लेकर पूर्वी यूरोप के देश शामिल हैं। इन मुलाकातों के दौरान पाकिस्तान ने अलग-अलग देशों के साथ ट्रेनिंग इंटरऑपरेबिलिटी, रक्षा व्यापार और क्षेत्रीय स्थिति पर बातचीत की। ऐसे में जानें कि पाकिस्तान वायु सेना एयर चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर सिद्धू ने किन-किन देशों का दौरा किया अमेरिका

1 जुलाई 2025 को एयर चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर सिद्धू अमेरिका पहुंचे थे।

यह पिछले एक दशक में किसी पाकिस्तानी वायुसेना प्रमुख का पहला अमेरिका दौरा भी था। इस दौरान उन्होंने अमेरिकी वायुसेना सचिव (अंतरराष्ट्रीय मामले) केली एल सेबोल्ट और अमेरिकी वायु सेना प्रमुख जनरल डेविड डब्ल्यू एल्विन से मुलाकात की। इसके अलावा उन्होंने विदेश विभाग और कैपिटल हिल के अधिकारियों सहित वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों के साथ बैठकें भी की।

चीन

एयर चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर सिद्धू 8 अप्रैल 2025 को चीन पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने चीनी रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जून, PLA वायु सेना कमांडर जनरल चांग डिंगकिउ और मेजर जनरल काओ शियाओजियान सहित अन्य वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों से मुलाकात की। बैठकें रणनीतिक सैन्य सहयोग को मजबूत करने और प्रशिक्षण, संयुक्त अभ्यास और रणनीतिक संचार में व्यावहारिक सहयोग का विस्तार करने पर केंद्रित थीं। बातचीत में क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों पर भी चर्चा हुई।

रोमानिया

एयर चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर सिद्धू ने 22-23 अक्टूबर 2025 को रोमानिया का दौरा किया था। उन्होंने रोमानियाई वायु सेना मुख्यालय में रोमानियाई वायु सेना के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल लियोनार्ड-गेब्रियल बारबोई और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। इस दौरान द्विपक्षीय रक्षा संबंध, ऑपरेशनल सहयोग, संयुक्त हवाई अभ्यास, एक्सचेंज कार्यक्रम और एयर और ग्राउंड क्रू की ट्रेनिंग पर बात हुई। संयुक्त अरब अमीरात

पाकिस्तानी वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर सिद्धू 20 नवंबर 2025 को यूएई भी पहुंचे थे।
इस दौरान उन्होंने दुबई एयरशो में हिस्सा लिया था। उन्होंने यूएई के कई अधिकारियों से मुलाकात की थी, जिसमें लेफ्टिनेंट जनरल पायलट इब्राहिम नासिर अल-अलावी और मेजर जनरल राशिद मोहम्मद अल-शम्सी शामिल थे। इस दौरान दोनों देशों के बीच सैन्य-से-सैन्य सहयोग, संयुक्त अभ्यास, पेशेवर आदान-प्रदान, वायु शक्ति विकास और एयरोस्पेस टेक्नोलॉजी पर बात हुई थी।

सऊदी अरब

एयर चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर सिद्धू 8 जनवरी 2026 को सऊदी अरब के दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने रॉयल सऊदी वायु सेना के कमांडर HRH लेफ्टिनेंट जनरल तुर्की बिन बंदर बिन अब्दुलअज़ीज़ और जनरल फैयाद बिन हमीद अल-रोवैली, चीफ ऑफ जनरल स्टाफ से मुलाकात की। इस बातचीत के दौरान रक्षा सहयोग, संयुक्त प्रशिक्षण, ऑपरेशनल सहयोग, इंटरऑपरेबिलिटी और क्षेत्रीय सुरक्षा पर सहयोग बढ़ाने पर बातचीत हुई थी।

इराक

पाकिस्तानी वायुसेना प्रमुख ने 10 जनवरी को इराक का दौरा किया था। इस दौरान एयर चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर सिद्धू ने इराकी वायु सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मोहनद गालिब मोहम्मद राडी अल-असादी से मुलाकात की। दोनों अधिकारियों के बीच सैन्य सहयोग और संयुक्त प्रशिक्षण पर चर्चा भी हुई।

WORLD NEWS | ट्रंप के ग्रीनलैंड प्लान से क्यों डरे चीन और रूस?

आर्कटिक के 'पनामा नहर' पर कब्जे के लिए महाशक्तियों में जंग, ट्रंप के ग्रीनलैंड प्लान से क्यों डरे चीन और रूस?

● NEWS AGENCY

वॉशिंगटन: अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ग्रीनलैंड के पीछे हाथ धोकर पड़े हुए हैं। उनका वश चले तो वो आज और इसी वक्त ग्रीनलैंड पर कब्जा करने अमेरिकी सैनिकों को रवाना कर दें। लेकिन ये इतना आसान नहीं है। यूरोप भी ग्रीनलैंड को बचाने हाथ पैर मार रहा है। लेकिन सवाल ये है कि आखिर डोनाल्ड ट्रंप की ग्रीनलैंड को लेकर इतनी बेताबी क्यों है? ट्रंप के ग्रीनलैंड और आर्कटिक प्लान से आखिर चीन और रूस क्यों डरे हुए हैं? ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका की इतनी दिलचस्पी चीन और रूस जैसी महाशक्तियों को क्यों परेशान कर रही हैं, इससे जानना और समझना जरूरी हो जाता है।

दरअसल, आर्कटिक क्षेत्र में सदियों से जमी बर्फ अब तेजी से पिघल रही है और पिघलती बर्फ ने नये समुद्री रास्तों को खोलना शुरू कर दिया है। इससे ना सिर्फ समुद्री व्यापार, बल्कि नये सिरे से सैन्य संतुलन बनाने की भी जरूरत होने लगी है। इन्हीं में से एक अहम समुद्री रास्ता है नॉर्थवेस्ट पैसेज। ये एक ऐसा समुद्री मार्ग है,जो कनाडा के उत्तरी तटों से होते हुए यूरोप को एशिया से जोड़ता है।

जियो-पॉलिटिकल एक्सपर्ट इसे 'भविष्य का पनामा नहर नॉर्थ' कह रहे हैं। अमेरिका, सालों से चीन के पनामा नहर के दोनों सिरों पर लगातार बढ़ते प्रभाव को लेकर सतर्क रहा है और डोनाल्ड ट्रंप तो सार्वजनिक तौर पर इस बात को लेकर भी लड़ चुके हैं, ऐसे में उनकी नई रणनीति, आर्कटिक में भी किसी प्रतिद्वंद्वी ताकत को निर्णायक बढ़त लेने से रोकने की है। जाहिर तौर पर इसका सीधा असर चीन और रूस पर होगा।
ग्रीनलैंड को लेकर डोनाल्ड ट्रंप की इतनी जिद क्यों है?
ग्रीनलैंड को लेकर डोनाल्ड ट्रंप की जिद बचकाना लगे, लेकिन ये एक जियो-पॉलिटिकल जंग है। इस पूरी भूमिका में दरअसल ग्रीनलैंड की भूमिका काफी अहम हो जाती है। नॉर्थवेस्ट पैसेज के पश्चिमी छोर पर अमेरिका का अलास्का पहले से मौजूद है, जबकि पूर्वी प्रवेश द्वार पर ग्रीनलैंड स्थित है। जियो पॉलिटिकल एक्सपर्ट जेफ महोन के मुताबिक, ग्रीनलैंड इस समुद्री मार्ग का "ईस्टर्न फ्लैंक" है। यूरोप से एशिया की तरफ जाने वाले जहाजों को नॉर्थवेस्ट पैसेज में दाखिल होने से पहले ग्रीनलैंड के आसपास के समुद्री क्षेत्र से गुजरना ही होगा।

ट्रंप के ग्रीनलैंड प्लान से क्यों डरे चीन और रूस?

ऐसे में अगर, अमेरिका ग्रीनलैंड में अपनी सैन्य, राजनीतिक या रणनीतिक मौजूदगी मजबूत करता है, तो वह इस पूरे रास्ते के दोनों सिरों को मजबूती से कंट्रोल कर सकता है। ठीक उसी तरह, जैसे अमेरिका ने दशकों से पनामा नहर वैश्विक व्यापार को अपने कंट्रोल में रखा है। चीन, अमेरिका के इस इरादे को बहुत पहले से जान रहा है इसलिए वो दुनियाभर में अपने रणनीतिक ठिकानों की तलाश कर रहा है। चीन पहले ही खुद को 'आर्कटिक क्षेत्र का नजदीकी' देश घोषित कर चुका है और वो रूस के साथ मिलकर नॉर्थईस्ट पैसेज, जो रूस के उत्तरी तट के साथ-साथ मिलता है, उसमें अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है।
एक्सपर्ट्स का मानना है, कि चीन भविष्य में कनाडा से गुजरने वाले नॉर्थवेस्ट पैसेज में भी समानांतर विकल्प तैयार करना चाहता है। अटलांटिक काउंसिल की सीनियर फेलो जस्टिना बुडगिनाइट-फ्रोएहली ने निक्केई एशिया में लिखा है कि जैसे-जैसे आर्कटिक शिपिंग के लिए अधिक सुलभ होता जाएगा, चीन वहां मौजूद रहकर नियमों, ढांचे और शक्ति संतुलन को अपने पक्ष में मोड़ने की कोशिश करेगा। आर्कटिक आज भी एक ऐसा क्षेत्र है, जहां बहुत कुछ अभी तय होना बाकी है और यही अनिश्चितता बड़ी शक्तियों को वहां खींच रही है। ट्रंप के ग्रीनलैंड प्लान के पीछे भी यही रणनीति है।

धर्म, मानवता और धार्मिक स्वतंत्रता के अमर प्रहरी : श्री गुरु तेगबहादुर साहिब जी

विशेष लेख | दिनांक : 12 जनवरी 2026 (स्रोत ज़िला माहिती कार्यालय,नांदेड़) : सिख धर्म के नवें गुरु, श्री गुरु तेगबहादुर साहिब जी धर्म, मानवता और धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले महान संत और योद्धा थे। सिख इतिहास ही नहीं, बल्कि संपूर्ण भारतीय इतिहास में उन्हें सम्मानपूर्वक 'हिंद-दी-चादर' कहा जाता है। उनका जीवन अन्याय, अत्याचार और धार्मिक दमन के विरुद्ध सत्य, साहस और बलिदान की अमर मिसाल है।

श्री गुरु तेगबहादुर साहिब जी का जन्म पंजाब के अमृतसर में वैशाख कृष्ण पंचमी के पावन दिवस पर हुआ। बचपन में उनका नाम त्यागमल था। बाल्यकाल से ही वे निर्भीक, शूरवीर, गंभीर चिंतनशील और उदार स्वभाव के थे। उनका पालन-पोषण और शिक्षा मीरी-पीरी के प्रतीक, उनके पिता श्री गुरु हरगोबिंद साहिब जी के संरक्षण में हुई।

मात्र 14 वर्ष की आयु में उन्होंने अपने पिता के साथ विदेशी आक्रमणकारियों के विरुद्ध युद्ध में अद्भुत शौर्य का प्रदर्शन किया। उनके पराक्रम से प्रभावित होकर गुरु हरगोबिंद साहिब जी ने उन्हें 'तेगबहादुर' की उपाधि दी, जिसका अर्थ है— तलवार का धनी। इसी काल में उन्होंने गुरुबाणी, धर्मग्रंथों का अध्ययन, अस्त्र-शस्त्र विद्या और घुड़सवारी में दक्षता प्राप्त की।

आठवें गुरु श्री गुरु हरिकृष्ण साहिब जी के ज्योति-जोत समाने के बाद श्री गुरु तेगबहादुर साहिब जी को सिख धर्म का नवां गुरु नियुक्त किया गया। अपने गुरुपद काल में उन्होंने सामाजिक समता, सांस्कृतिक संरक्षण, मानवीय मूल्यों और धार्मिक स्वतंत्रता के लिए निरंतर संघर्ष किया।

सत्रहवीं शताब्दी में तत्कालीन शासकों द्वारा किए जा रहे धार्मिक अत्याचारों के विरुद्ध उन्होंने निर्भीक होकर आवाज उठाई। कश्मीरी पंडितों सहित पीड़ितों की धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए उन्होंने सर्वोच्च बलिदान दिया। उनका यह त्याग भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक अस्मिता की रक्षा का प्रतीक बन गया। इसी कारण वे सच्चे अर्थों में 'हिंद-दी-चादर' कहलाए।

गुरु तेगबहादुर साहिब जी की शिक्षाओं में क्षमा, करुणा, प्रेम, समता और मानवता का गहन संदेश निहित है। उन्होंने 15 रागों में रचित 116 शबदों की गुरुबाणी की रचना की, जो श्री गुरु ग्रंथ साहिब में संकलित है और आज भी आध्यात्मिक प्रेरणा का अमूल्य स्रोत है।

वर्ष 2025-26 उनका 350वां शहीदी समागम शताब्दी वर्ष है। इसी उपलक्ष्य में नांदेड में दिनांक 24 और 25 जनवरी 2026 को भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर निशान साहिब को चोला अर्पण, श्री अखंडपाठ साहिब, कीर्तन और धार्मिक दीवान आयोजित होंगे। देशभर से प्रसिद्ध रागी जत्थों द्वारा शबद गायन प्रस्तुत किया जाएगा।

यह आयोजन राज्य शासन के अल्पसंख्यक विभाग, हिंद-दी-चादर श्री गुरु तेगबहादुर साहिब जी 350वीं शहीदी समागम समिति तथा सिख, सिकलीगर, बंजारा, लबाना, मोहियाल, सिंधी, वाल्मीकि, उदासीन संप्रदाय और भगत नामदेव वारकरी समाज के संयुक्त तत्वावधान में नांदेड के मामा चौक स्थित मोदी मैदान में संपन्न होगा। इससे पूर्व यह कार्यक्रम 7 दिसंबर 2025 को नागपुर में आयोजित किया गया था, जबकि नांदेड के बाद 18 और 19 फरवरी 2026 को नवी मुंबई में भव्य आयोजन प्रस्तावित है।

इस पावन अवसर पर सभी धर्मों के श्रद्धालु गुरु घर में मत्था टेककर श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक एकता का संदेश देंगे। धर्म, मानवता और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए बलिदान देने वाले इस महान गुरु की स्मृति में नांदेड का यह शहीदी समागम समाज को सत्य, त्याग और साहस का अमर संदेश देने वाला सिद्ध होगा।

— विशेष लेख—
अलका पाटील,
उपसंपादक,
ज़िला माहिती कार्यालय, नांदेड.

महाराष्ट्र विशेष

कोकण > पश्चिम महाराष्ट्र > मराठवाड़ा > विदर्भ

नंदिग्राम टाईम्स

Tuesday 13th January 2026 वर्ष - 9 , अंक 258 , पृष्ठ 03

नांदेड नगर निगम चुनाव: आत्मविश्वास बनाम बेचैनी — नेताओं की भीड़, कार्यकर्ताओं की सेना, लेकिन वोटर्स किसका साथ देंगे?

नांदेड, 12 जनवरी 2026 —
15 जनवरी को होने वाले नांदेड महानगरपालिका चुनाव के लिये प्रचार का अंतिम चरण जोरों पर है। 81 पदों के लिये कुल 491 उम्मीदवारों ने मैदान गरम कर रखा है। प्रमुख राजनीतिक दल — भाजपा, राष्ट्रवादी, शिंदेसेना, कांग्रेस, उद्धवसेना और वंचित बहुजन आघाड़ी — अपनी-अपनी ताकतें लगा कर वोटरों को रिझाने में लग गये हैं।

चुनावी वातावरण अब चरम पर है। प्रचार सभाओं में भारी भीड़, कार्यकर्ताओं का जोश, हाई-टेक प्रचार अभियानों और सोशल मीडिया की जबरदस्त भागीदारी ने माहौल को और गर्म कर दिया है। कुछ उम्मीदवार अपनी जीत का दावा पहले ही कर रहे हैं, जबकि अन्य पराजय की आशंका से बेचैन नजर आ रहे हैं, जिससे यह लड़ाई और कठिन होती जा रही है।

विशेषज्ञों का कहना है कि मतदाता अब विकास कार्यों, अधूरे वायदों और प्रशासनिक देरी के मुद्दों को देखते हुए अपना निर्णय करेंगे। पिछले कई वर्षों से रुके विकास और प्रशासकीय शासन के बाद जनता की उम्मीदें ऊँची हैं, और सुनामी-सी सक्रियता मतदाताओं की ओर से देखी जा रही है।

चुनाव प्रचार तो 13 जनवरी की रात से औपचारिक रूप से थम सकता है, लेकिन छिपा प्रचार मतदान के दिन तक चलने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। मतदाता आखिर किसके पक्ष में मतदान करेंगे — सत्ताधिकारी दलों के आत्मविश्वास के साथ या बदलाव की बेचैनी को जीत का रास्ता दिखाने देंगे — यह 15 जनवरी के परिणाम तय करेंगे।

BMC ELECTION | फडणवीस ने 'लाव रे तो वीडियो'

फडणवीस ने 'लाव रे तो वीडियो' दिखाकर ठाकरे बंधुओं के पुराने आरोप-प्रत्यारोप जनता के सामने रखे, सवाल उठाया- "३० साल मराठी संकट में क्या खेले?"

मुंबई | 12 जनवरी 2026:
बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव प्रचार की महत्वपूर्ण रैली में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शिवाजी पार्क मैदान में महायुति की राष्ट्रीय जनहित सभा को संबोधित करते हुए विरोधी दलों पर तीखी आलोचना की। उन्होंने विशेष तौर पर राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के बीच पुराने विवादों के वीडियो क्लिप जनता को दिखाए और इसे "लाव रे तो वीडियो" कहते हुए कहा कि इन दोनों नेताओं के एक-दूसरे पर किए गए आरोप-प्रत्यारोप जवाब खुद हैं।

फडणवीस ने सभा में कहा कि यदि पिछले तीस वर्षों से सत्ता में रहने के बावजूद मराठी जनता संकट में है, तो सवाल यही उठता है कि तब आप लोग "क्या कंचे खेले?"। उन्होंने आरोप लगाया कि ठाकरे बंधुओं की राजनीति महज बयानबाजी और एक-दूसरे के खिलाफ बयान देने तक सीमित रही है, जिसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके सामने इन पुराने विवादों के वीडियो क्लिप का प्रदर्शन करना कोई उत्तर नहीं है, क्योंकि यह वीडियो स्वयं ही बताता है कि विपक्षी एकता कितनी स्थायी और प्रभावी है। उन्होंने कहा कि मराठी लोग अब अन्याय सहन नहीं करेंगे और यह चुनाव मराठी जनता के अस्तित्व की लड़ाई जैसा है।

फडणवीस ने अपने भाषण में शीतल गंभीर को महायुति का उम्मीदवार घोषित करते हुए कहा कि यदि राज ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे चर्चा करना चाहते हैं, तो वे तैयार हैं, परंतु यह चर्चा मराठी हितों और विकास पर केंद्रित होनी चाहिए, न कि केवल पुराने विवादों पर। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार फडणवीस का यह कदम बीएमसी चुनाव के पहले विपक्षी गठबंधन की एकता और उसके मूलभूत मुद्दों पर प्रश्नचिन्ह लगाने का प्रयास है।

उन्होंने कहा कि ऐसे वीडियो प्रदर्शन का उद्देश्य सार्वजनिक भावना को सक्रिय करना और मतदाताओं को यह दिखाना है कि विरोधी दल एक-दूसरे से कितना विमुख हैं।

बीएमसी चुनाव के मद्देनजर महाराष्ट्र की सियासी हलचल तेज़ है, जहाँ ठाकरे बंधुओं का गठबंधन और भाजपा-महायुति के रणनीतिक ज़मीन पर टकराव जारी है। फडणवीस ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी सरकार मराठी भाषा, संस्कृति और विकास के मुद्दों पर प्रतिबद्ध है, और यही कारण है कि वे आम जनता की मदद करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

इस बीच उद्धव-राज ठाकरे के गठबंधन की प्रतिक्रियाएँ और भाजपा की आगे की रणनीति भी राजनीतिक विमर्श में प्रमुख भूमिका रख रही हैं, जिससे आगामी चुनाव और भी दिलचस्प बने हुए हैं।

रवीना टंडन ने शिवसेना (उद्धव गट) के लिए बांद्रा में चुनावी प्रचार किया, वीडियो वायरल

मुंबई, 12 जनवरी 2026:
बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव प्रचार के अंतिम दिनों में बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन ने शिवसेना (उद्धव बाळासाहेब ठाकरेंचा गट) के लिए जोरदार प्रचार किया। रवीना को बांद्रा के भीड़भाड़ वाले इलाकों में गली-गली घूमते हुए देखा गया, जहाँ उन्होंने शिवसेना के मशाल चुनाव चिन्ह का समर्थन किया और स्थानीय मतदाताओं से पार्टी को वोट देने की अपील की। उनका प्रचार करते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे चुनावी माहौल में नई हलचल पैदा हुई है।

प्रचार के दौरान रवीना टंडन ने गले में लाल-भवगा पटका पहना हुआ था जिस पर शिवसेना (UBT) का चुनाव चिन्ह 'मशाल' अंकित था। वह स्थानीय नागरिकों और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ संवाद करती नजर आईं और रोड शो तथा पदयात्रा में सक्रिय रूप से भाग लिया। कई स्थानों पर उनके आसपास बड़ी संख्या में लोग जमा हुए, जिन्होंने रवीना के प्रचार अभियान का उत्साहपूर्वक स्वागत किया।

सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए फुटेज में रवीना को घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क करते हुए देखा गया है, जिनसे उन्होंने शिवसेना (UBT) को समर्थन देने का आग्रह किया। उनकी इस भागीदारी को देखकर कई लोग हैरान भी हैं, क्योंकि बॉलीवुड की हस्ती का चुनावी मंच पर उतरना आम नहीं समझा जाता। प्रचार के दौरान रवीना टंडन ने मीडिया से बातचीत में कहा कि महाराष्ट्र की संस्कृति और पहचान को संरक्षित करने वाले प्रयासों का समर्थन करना उनका प्राथमिक कर्तव्य है। उन्होंने जनता से निष्पक्ष और जागरूक वोट डालने का आह्वान भी किया।

बीएमसी चुनाव में बड़े सितारों के शामिल होने से मतदाताओं के मन में उत्सुकता बढ़ी है और रवीना टंडन के समर्थन ने शिवसेना (उद्धव गट) के प्रचार को एक नई ऊर्जा दी है, खासकर युवा और शहरी मतदाताओं के बीच।

अकोट में भाजपा-एमआयएम युति का दूसरा अंक: अहमोल भाजपा नेता के बेटे को AIMIM के समर्थन से स्वीकृत नगरसेवक बनाया गया

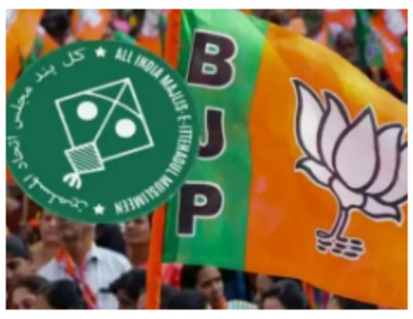

अकोला, 12 जनवरी 2026:
अकोट नगरपरिषद में भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) और AIMIM (ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुसलमान) के बीच पिछले विवादित गठबंधन के बाद एक नया राजनीतिक मोड़ देखने को मिला है। उस पहले गठबंधन को भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने तुरंत खारिज कर दिया था और स्थानीय भाजपा नेता को showcause नोटिस भेजा था, लेकिन अब इसी युति का "दूसरा अंक" कागजी तौर पर सामने आया है।

स्वीकृत नगरसेवक बनाये जाने की प्रक्रिया में, बीजेपी के माजी नगराध्यक्ष रामचंद्र बरेठिया के पुत्र जितेन बरेठिया को AIMIM के पांच नगरसेवकों के समर्थन से नगरपरिषद का स्वीकृत (co-opted) नगरसेवक बनाया गया है। इससे पहले एमआयएम ने खुद ताज राणा को उम्मीदवार के रूप में प्रस्तावित किया था, परंतु उनका नामांकन समय सीमा के बाद दाखिल होने के कारण नकार दिया गया। ऐसे में मात्र वैध रूप से पेश किया गया नामांकन जितेन बरेठिया का रहा, जिसने स्वीकृत नगरसेवक पद हासिल किया।

राजनैतिक पंडितों की नज़र में यह घटना उस विवादास्पद गठबंधन की एक नई झलक पेश करती है, जिसे मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने "स्वीकार्य नहीं" बताया था और स्थानीय भाजपा आमदार प्रकाश भारसाकळे को पार्टी अनुशासन के उल्लंघन के आरोप में नोटिस जारी किया था। हालांकि अब तक भाजपा ने इस मामले में किसी सख्त कार्रवाई की पुष्टि नहीं की है।

विरोधी दलों ने इस घटना पर भाजपा-एमआयएम संबंध को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी है। कांग्रेस नेतृत्व ने आरोप लगाया है कि भाजपा और AIMIM के बीच "एक ही सिक्के के दो पहलू" दिख रहे हैं, क्योंकि चुनाव के समय दोनों ने अलग-अलग लड़ाई लड़ी, पर स्वीकृत नगरसेवक पद के लिए साथ आए। कांग्रेस विधायक साजिद खान पठाण ने कहा कि इससे दोनों पार्टियों के बीच छिपा समझौता सामने आ गया है।

स्थानीय राजनीति में यह घटना अकोट नगरपरिषद के संतुलन को प्रभावित कर सकती है, जहाँ भाजपा अकेले बहुमत नहीं बना पायी थी। AIMIM के समर्थन से बरेठिया का चुना जाना यह संकेत देता है कि स्थानीय स्तर पर अस्थिर राजनीतिक समीकरण अभी भी जारी हैं। इस बीच, ताज राणा ने चुनाव आयुक्त के निर्णय को चुनौती देने की तैयारी कर रही है। राजनैतिक विश्लेषक मानते हैं कि आगे के दिनों में अकोट के राजनीति पर इसका असर निश्चित रूप से देखने को मिलेगा।

कुलाबा में पैसों से भरी गाड़ी का शिवसेना (UBT) समर्थकों ने किया दावा, पुलिस जांच में जुटी

NEWS AGENCY

मुंबई, 12 जनवरी 2026: बृहन्मुंबई महापालिका (बीएमसी) चुनाव से पहले कुलाबा इलाके में एक संदिग्ध पैसे से भरी गाड़ी के मामले ने राजनीतिक हलचल बढ़ा दी है। शिवसेना (उद्धव बाळासाहेब ठाकरे) (UBT) के कार्यकर्ताओं ने दावा किया कि रात के समय एक वाहन में भारी मात्रा में नकदी लायी जा रही थी, जिसे उन्होंने चुनावी अनुशासन और नैतिकता का उल्लंघन बताते हुए संदेह के घेरे में रखा।

घटना की जानकारी स्थानीय कार्यकर्ताओं ने पुलिस को दी और वाहन की जांच की मांग उठायी। UBT के नेताओं का आरोप है कि यह राशि मतदाताओं को प्रभावित करने के इरादे से लाई जा रही थी, जिससे चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठ रहे हैं।

इस आरोप की पुष्टि या खंडन के लिये पुलिस जांच जारी है। अभी तक अधिकारियों द्वारा पकड़े गये पैसों या वाहन से जुड़े ठोस विवरण सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। इस प्रकरण ने चुनावी नैतिकता और अनुशासन के विषय पर बहस को फिर से जोर दिया है, खासकर जब चुनाव की तारीख नज़दीक है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस तरह के आरोप मतदाताओं के बीच चिंता और विवाद को जन्म दे सकते हैं। दोनों पक्षों द्वारा जारी आरोप-प्रत्यारोपों से चुनावी माहौल और भी गरम होता जा रहा है।

जैसे-जैसे बीएमसी चुनाव की तारीख करीब आती जा रही है, ऐसे मामले चुनाव की दिशा और मतदाताओं के विश्वास पर प्रभाव डाल सकते हैं। पुलिस की आगे की कार्रवाई और जांच रिपोर्ट आने पर ही स्पष्ट तस्वीर सामने आएगी।

मुंबई की जमीन-पैसा परियोजना को 'गुजराती मित्र' को सौंपने का कांग्रेस का आरोप: पवन खेरा की तीखी टिप्पणी

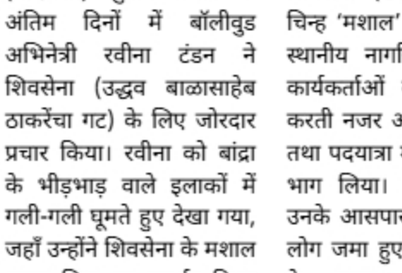

मुंबई: कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेरा ने महाराष्ट्र की महायुति सरकार पर मुंबई की जमीन, उद्योग और जनता का पैसा भाजपा के एक 'गुजराती मित्र' को देने का गंभीर आरोप लगाया है। खेरा ने कहा कि महापालिका द्वारा मुंबई की जमीन बेचकर बड़े पैमाने पर धन एकत्रित किया गया, जिसे कथित तौर पर चुनावी खर्च में लगाया जा रहा है, जिससे मुंबईकरों के साथ धोखाधड़ी हो रही है। उन्होंने महापालिका में बुनियादी सुविधाओं के अभाव, भ्रष्टाचार और विकास निधि में पक्षपात की भी निंदा की। खेरा ने कहा कि अब मुंबई में बदलाव की आवश्यकता है और जनता आगामी चुनाव में इसका फैसला करेगी।

संजय निरुपम ने ओवैसी को कहा– भारत में 'हिजाब पीएम' सपना पूरा नहीं होगा, पाकिस्तान जाकर देखें

मुंबई | 12 जनवरी 2026:
एकनाथ शिंदे की अगुवाई शिवसेना के नेता संजय निरुपम ने AIMIM प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के एक बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। ओवैसी ने हाल ही में कहा था कि वह "एक दिन हिजाब पहनने वाली महिला को भारत का प्रधानमंत्री बनते देखना चाहते हैं", लेकिन निरुपम ने इसे असंवैधानिक और अवास्तविक बताया। निरुपम ने कहा कि भारत में यह सपना कभी पूरा नहीं हो सकता और अगर ओवैसी को ऐसा सपना साकार करना है तो उन्हें पाकिस्तान जाकर कोशिश करनी चाहिए, जहाँ वह अपना लक्ष्य पूरा कर सकते हैं।

निरुपम ने कहा कि हिजाब पहनने वाली महिला भारत की प्रधानमंत्री नहीं बन सकती, हालांकि उनके बयान का सामाजिक और राजनीतिक स्तर पर गंभीर प्रभाव है। उन्होंने आरोप लगाया कि ओवैसी के बयान का उद्देश्य समाज में विभाजन पैदा करना और सांप्रदायिक भावनाओं को भड़काना है, जिससे राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश की जा रही है। ओवैसी ने अपने बयान में भारतीय संविधान के समावेशी स्वरूप का हवाला देते हुए कहा था कि संविधान किसी भी नागरिक को प्रधानमंत्री बनने का समान अवसर देता है, चाहे वह किसी भी धर्म या पहनावे से हो।

उनका कहना था कि पाकिस्तान के संविधान में केवल एक विशेष धर्म के लोग शीर्ष पदों तक पहुँच सकते हैं, जबकि भारतीय संविधान हर नागरिक को समान अवसर देता है।

राजनीतिक गलियारों में यह बयानबाजी तेजी से चर्चा में है और विपक्ष तथा सत्तापक्ष के बीच बयानबाज़ी और तीखी होती जा रही है। कुछ नेताओं ने इसे गैरज़िम्मेदाराना बताया है, जबकि समर्थक इसे संविधान के अधिकार और समानता के दृष्टिकोण से देख रहे हैं। इस पूरे विवाद ने एक बार फिर धर्म, राजनीति और संवैधानिक अधिकारों के बीच बहस को हवा दी है, जिस पर राजनीतिक दलों और जनता के बीच मतभेद स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं।

BJP कार्यकर्ताओं ने शिवसैनिकों के सामने "गद्दार" के नारे लगाए, चप्पलें दिखाईं और जोरदार हंगामा किया।

ठाणे: अंबरनाथ में महायुति की दो सहयोगी पार्टियां शिवसेना और बीजेपी आमने-सामने आ गई हैं। पिछले हफ्ते दोनों पार्टियों ने एक-दूसरे को भड़काने के लिए एक रणनीतिक चाल चली। बीजेपी ने एकनाथ शिंदे की शिवसेना को सत्ता से दूर रखने के लिए सीधे कांग्रेस को साथ लिया। उसके बाद कांग्रेस ने अपने 12 कॉर्पोरेटर को सस्पेंड कर दिया। फिर बीजेपी उन सभी कॉर्पोरेटर को अपने साथ ले गई। आखिर में शिंदे सेना ने नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के 4 कॉर्पोरेटर को साथ लेकर सरकार बनाने का दावा किया। इसके बाद अंबरनाथ नगर पालिका में बीजेपी और शिंदे सेना के कार्यकर्ता आमने-सामने आ गए हैं। दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे के खिलाफ जोरदार नारे लगाए।

डिप्टी मेयर पद के लिए वोटिंग

हमारे सहयोगी महाराष्ट्र टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अंबरनाथ नगर परिषद में सोमवार को डिप्टी मेयर पद के लिए वोटिंग हुई। इसके लिए सभी पार्टियों के कॉर्पोरेटर नगर पालिका पहुंच गए। शिंदे सेना और बीजेपी के कॉर्पोरेटर और कार्यकर्ताओं के आमने-सामने आते ही टेंशन बढ़ गई। बीजेपी की महिला कार्यकर्ताओं ने शिंदे सेना के कार्यकर्ताओं को गद्दार, देशद्रोही कहकर ताना मारा। उन्होंने शिवसैनिकों को जूते दिखाते हुए जोरदार नारे लगाए। इससे नगर परिषद में माहौल गरमा गया।

सदाशिव पाटिल के खिलाफ नारे लगाए

डिप्टी मेयर चुनाव प्रोसेस में काफी कन्फ्यूजन रहा। बीजेपी वर्कर्स ने सदाशिव पाटिल के खिलाफ नारे लगाए, जो शिंदे सेना के साथ चले गए थे और अब डिप्टी मेयर पोस्ट के कैंडिडेट थे। बीजेपी की महिला वर्कर्स ने शिवसैनिकों को गद्दार कहकर उन पर तंज कसा। कुछ महिला वर्कर्स ने तो सीधे जूते दिखा दिए। पिछले हफ्ते क्या हुआ था?

दिसंबर में म्युनिसिपल काउंसिल के चुनाव हुए थे। इसमें शिंदे सेना ने 27, बीजेपी ने 14, कांग्रेस ने 12 और एनसीपी ने 4 सीटें जीती थीं। बीजेपी की तेजश्री करंजुले पाटिल मेयर का चुनाव जीत गईं। इस चुनाव में उन्होंने शिंदे सेना के कैंडिडेट को हराया। लेकिन शिंदे सेना ने सबसे ज्यादा 27 सीटें जीतीं और सबसे बड़ी पार्टी बनी। लेकिन शिंदे सेना बहुमत से काफी दूर रही। बीजेपी ने शिंदे सेना को सत्ता से बाहर रखने का कैंपेन शुरू किया। इसके लिए उसने एनसीपी और कांग्रेस को साथ लिया। बीजेपी-कांग्रेस अलायंस की खबर पूरे राज्य में फैल गई।

एनसीपी-शिंदे सेना ने दी बीजेपी को मात

इसके बाद कांग्रेस की स्टेट लीडरशिप ने अपने 12 कॉर्पोरेटर्स को सस्पेंड कर दिया। बीजेपी ने अगले ही दिन इन सभी पार्षदों को पार्टी में शामिल कर लिया और सरकार बनाने का दावा किया। जहां बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने शिंदे सेना को दूर रखने का प्लान बनाया था। वहीं डिप्टी चीफ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे के सांसद बेटे श्रीकांत शिंदे ने एनसीपी के 4 पार्षदों को अपनी तरफ करके बीजेपी को मात दे दी।

नांदेड़ वॉक्स

नांदेड़ जिला > नांदेड़ शहर

नंदिग्राम टाईम्स

Tuesday 13th January 2026 वर्ष - 9 , अंक 258 , पृष्ठ 04

आदिवासी अभ्यर्थियों के लिए परामर्श शिविर संपन्न

(स्रोत ज़िमाका,नांदेड़) |

नांदेड, 12 जनवरी — आदिवासी अभ्यर्थियों के सर्वांगीण विकास एवं रोजगार उन्मुख मार्गदर्शन के उद्देश्य से किनवट स्थित कौशल विकास, रोजगार एवं उद्यमिता मार्गदर्शन केंद्र द्वारा प्रतियोगी पूर्व प्रशिक्षण का लाभ ले चुके अभ्यर्थियों के लिए 8 जनवरी को परामर्श शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में कौशल विकास विभाग के कौशल विकास, रोजगार एवं उद्यमिता मार्गदर्शन अधिकारी सुरेश शेलके प्रमुख रूप से उपस्थित थे। जालना स्थित मॉडल करियर सेंटर के परामर्शदाता डॉ. अमोल परिहार ने अभ्यर्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, करियर नियोजन, सरकारी योजनाओं तथा रोजगार के विविध अवसरों की विस्तृत जानकारी दी।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में कनिष्ठ कौशल विकास अधिकारी सुदाम चव्हाण, लिपिक विष्णु राठोड और अक्षय राठोड ने सक्रिय सहयोग किया। शिविर के अंत में प्रा. नवनीत चव्हाण ने उपस्थित सभी अतिथियों, मार्गदर्शकों एवं अभ्यर्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

NANDED NEWS | नांदेड में अवैध रेत खनन पर जिलाधिकारी की बड़ी कार्रवाई

नांदेड में अवैध रेत खनन पर जिलाधिकारी की बड़ी कार्रवाई, 3.32 करोड़ का माल जब्त

नांदेड, 12 जनवरी (स्रोत ज़िला माहिती कार्यालय,नांदेड़) : नांदेड जिले के लोहा तालुका अंतर्गत मौजे येळी में नदी पात्र से चल रहे अवैध रेत खनन पर जिला प्रशासन ने बड़ी और निर्णायक कार्रवाई की है। जिलाधिकारी राहुल कर्डिले ने स्वयं मौके पर पहुंचकर छापा मारते हुए करीब 3 करोड़ 32 लाख रुपये मूल्य का मुद्देमाल जब्त किया है। इस कार्रवाई से रेत माफियाओं में हड़कंप मच गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार, 11 जनवरी को लोहा तालुका के मौजे येळी में नदी पात्र से बड़े पैमाने पर अवैध रेत खनन किए जाने की गोपनीय सूचना जिलाधिकारी को मिली थी। सूचना की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी राहुल कर्डिले ने देर रात करीब 10.30 बजे स्वयं घटनास्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नदी पात्र में अवैध उत्खनन करते हुए 3 हायवा ट्रक, 7 जेसीबी मशीनें, 1 बड़ी फाइबर बोट और 4 तराफे पाए गए। जिलाधिकारी के निर्देश पर तत्काल स्थानीय पुलिस प्रशासन और तहसीलदार को मौके पर बुलाया गया। इसके बाद अवैध खनन में उपयोग किए जा रहे सभी वाहनों और उपकरणों को जब्त किया गया।

कार्रवाई के दौरान 45 ब्रास अवैध रेत का भंडार भी कब्जे में लिया गया। जब्त किए गए सभी वाहनों,मशीनों और रेत की कुल अनुमानित कीमत 3 करोड़ 32 लाख रुपये बताई जा रही है। प्रशासन ने जब्त समस्त सामग्री को तहसील कार्यालय, लोहा में जमा करने के निर्देश दिए हैं और संबंधित आरोपियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

जिलाधिकारी राहुल कर्डिले ने कहा कि जिले में अवैध रेत खनन और अवैध परिवहन को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस तरह की सख्त कार्रवाइयों से अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगेगा। प्रशासन की इस कार्रवाई से जिले में कानून-व्यवस्था मजबूत होने का संदेश गया है।

नांदेड महापालिका चुनाव 2026: आयुक्त डॉ. महेशकुमार डोईफोडे का आकाशवाणी पर विशेष साक्षात्कार

नांदेड, 12 जनवरी (स्रोत ज़िला माहिती कार्यालय नांदेड़,नांदेड़) — नांदेड-वाघाळा शहर महानगरपालिका की सार्वत्रिक चुनाव प्रक्रिया को लेकर प्रशासनिक स्तर पर व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। इन तैयारियों की विस्तृत जानकारी देने के लिए नांदेड महानगरपालिका के आयुक्त एवं प्रशासक डॉ. महेशकुमार डोईफोडे का विशेष साक्षात्कार नांदेड आकाशवाणी पर प्रसारित किया जाएगा।

यह साक्षात्कार आकाशवाणी नांदेड के जिला प्रतिनिधि पत्रकार अनुराग पोवळे द्वारा लिया गया है, जिसका प्रसारण मंगलवार, 13 जनवरी को सुबह 8 बजकर 40 मिनट पर नांदेड आकाशवाणी से किया जाएगा। साक्षात्कार में चुनाव पूर्व तैयारियों, मतदान प्रक्रिया, सुरक्षा व्यवस्था, मतगणना तथा प्रशासन की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई है।

उल्लेखनीय है कि नांदेड-वाघाळा शहर महानगरपालिका की सार्वत्रिक चुनाव के तहत 15 जनवरी को मतदान संपन्न होगा, जबकि 16 जनवरी को मतगणना की जाएगी। यह चुनाव कुल 20 प्रभागों में 81 नगरसेवक पदों के लिए आयोजित किया जा रहा है। चुनाव को निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं का विस्तृत आकलन इस साक्षात्कार में प्रस्तुत किया गया है।

नांदेड आकाशवाणी के प्रसारण अधिकारी राहुल आत्राम तथा सहायक निदेशक एवं केंद्र प्रमुख विश्वास वाघमारे ने शहर के सभी नागरिकों और श्रोताओं से इस महत्वपूर्ण साक्षात्कार को अवश्य सुनने का आग्रह किया है। उनका कहना है कि यह साक्षात्कार मतदाताओं को चुनाव प्रक्रिया की सही और प्रामाणिक जानकारी प्रदान करेगा, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और अधिक सशक्त बनाया जा सकेगा।

नांदेड महापालिका चुनाव : मतदान के दिन 15 जनवरी को मतदाताओं को सवैतनिक अवकाश

नांदेड, 12 जनवरी। (स्रोत ज़िला माहिती कार्यालय,नांदेड़) : नांदेड-वाघाळा शहर महानगरपालिका की सार्वत्रिक चुनाव प्रक्रिया के तहत 15 जनवरी 2026, गुरुवार को होने वाले मतदान के दिन मतदाताओं को मतदान का अधिकार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सवैतनिक अवकाश अथवा दो से तीन घंटे की विशेष छूट देने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में उद्योग, ऊर्जा एवं श्रम विभाग द्वारा जारी शासन परिपत्र के अनुसार संबंधित क्षेत्र के सभी मतदाताओं को यह सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

मतदान क्षेत्र के मतदाता यदि कार्यवश चुनाव क्षेत्र के बाहर भी कार्यरत हों, तब भी उन्हें मतदान के दिन अपना मताधिकार प्रयोग करने के लिए पूर्ण सवैतनिक अवकाश देना अनिवार्य होगा। यह आदेश राज्य शासन, केंद्र शासन, निजी कंपनियों सहित सभी आस्थापनाओं पर लागू रहेगा। इसमें कारखाने, दुकाने, व्यापारिक प्रतिष्ठान, औद्योगिक इकाइयां, आवासीय होटल, भोजनालय, नाट्यगृह, आईटी कंपनियां, शॉपिंग सेंटर, मॉल्स तथा रिटेल प्रतिष्ठान शामिल हैं।

अपवादात्मक परिस्थितियों में यदि किसी आस्थापना के लिए पूरे दिन की छुट्टी देना संभव न हो, तो संबंधित मतदाताओं को मतदान के लिए कम से कम दो से तीन घंटे की विशेष छूट देना आवश्यक रहेगा। किसी भी परिस्थिति में मतदाताओं को मतदान से वंचित न किया जाए, इसकी जिम्मेदारी संबंधित आस्थापना मालिकों एवं प्रबंधन पर रहेगी।

सहायक श्रम आयुक्त नांदेड अ. गो. थोरात ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि यदि किसी मतदाता को उचित अवकाश या छूट न मिलने के कारण मतदान करना संभव नहीं हो पाता और इस संबंध में शिकायत प्राप्त होती है, तो संबंधित आस्थापना के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। शासन के इस निर्देश का कड़ाई से पालन करने की अपील सभी आस्थापना मालिकों एवं प्रबंधन से की गई है।

नांदेड में 'हिंद-दी-चादर' भव्य आयोजन, श्री गुरु तेग बहादुर साहिबजी के 350वें शहीदी समागम वर्ष को समर्पित

नांदेड, 12 जनवरी (स्रोत ज़िला माहिती कार्यालय नांदेड़,नांदेड़) — सिख धर्म के नवें गुरु, धर्म और मानवता की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले "हिंद-दी-चादर" श्री गुरु तेग बहादुर साहिबजी के 350वें शहीदी समागम वर्ष (2025-26) के उपलक्ष्य में नांदेड में एक ऐतिहासिक, भव्य एवं दिव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन का उद्देश्य गुरु साहिबजी के गौरवशाली इतिहास, धार्मिक स्वतंत्रता के लिए दिए गए महान बलिदान तथा समाज के लिए उनके अमूल्य योगदान को जन-जन तक पहुँचाना है।

मुख्य कार्यक्रम का आयोजन 24 और 25 जनवरी 2026 को नांदेड शहर के असर्जन भाग स्थित सार्वजनिक बांधकाम विभाग के मैदान पर किया जाएगा। इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री महोदय विभिन्न शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में विजयी विद्यार्थियों को सम्मानित करेंगे।

कार्यक्रम के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु जिले की सभी शालाओं, आश्रमशालाओं और महाविद्यालयों में विविध शैक्षणिक एवं जनजागृति उपक्रम चलाए जा रहे हैं। 15 से 23 जनवरी 2026 के दौरान प्रभातफेरी का आयोजन किया जाएगा। साथ ही 25 जनवरी 2026 तक विद्यालयों में प्रार्थना सभा के दौरान श्री गुरु तेग बहादुर साहिबजी के कार्यों पर आधारित गीतों का सादरीकरण, डॉक्युमेंटरी प्रदर्शन तथा "हिंद-दी-चादर – श्री गुरु तेग बहादुर" इस घोषवाक्य का प्रसार किया जाएगा।

तालुकास्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन 15 से 17 जनवरी 2026 के बीच किया जाएगा, जिनमें चित्रकला, गायन, निबंध लेखन और वक्तृत्व जैसी प्रतियोगिताएँ शामिल हैं। वहीं जिला स्तरीय वक्तृत्व प्रतियोगिता 20 जनवरी 2026 को गुरुग्रंथसाहेबजी भवन, सचखंड पब्लिक स्कूल के पास, हिंगोली गेट, नांदेड में संपन्न होगी।

इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले विद्यार्थियों में से जिला स्तर पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मुख्य कार्यक्रम के दौरान माननीय मुख्यमंत्री के हस्ते सम्मानित किया जाएगा। साथ ही सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे।
आयोजकों की ओर से नागरिकों से अपील की गई है कि वे सोशल मीडिया पर #hinddichadar350 हैशटैग का उपयोग करते हुए कार्यक्रम से संबंधित पोस्ट साझा करें, जिससे इस ऐतिहासिक आयोजन का संदेश अधिकाधिक लोगों तक पहुँचे।
कार्यक्रम से जुड़ी विस्तृत जानकारी gurutegbahadurshahidi.com वेबसाइट पर उपलब्ध है।
अधिक जानकारी के लिए नागरिक शिक्षा अधिकारी (प्राथमिक), शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक), शिक्षा अधिकारी (योजना), जिला परिषद नांदेड से संपर्क कर सकते हैं।

श्री गुरु गोबिंदसिंहजी शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में राष्ट्रीय युवा दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया

(स्रोत ज़िला माहिती कार्यालय,नांदेड़) |

नांदेड, 12 जनवरी (स्रोत ज़िला माहिती कार्यालय,नांदेड़)— श्री गुरु गोबिंदसिंहजी शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, नांदेड में स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय युवा दिवस बड़े उत्साह और प्रेरणादायी वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्वामी विवेकानंद के विचारों और मूल्यों का प्रसार करना, युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करना तथा उनमें राष्ट्रीय एकता की भावना विकसित करना रहा।

राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में स्वामी विवेकानंद के जीवन और उनके प्रेरक विचारों पर प्रकाश डालने के लिए संस्थान के मुख्याध्यापक एवं राष्ट्रीय कीर्तनकार श्री जी. बी. गिरोड का विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। उन्होंने रोचक उदाहरणों के माध्यम से युवाओं को संबोधित करते हुए अंधविश्वास, नशे और कुरीतियों से दूर रहने तथा सकारात्मक सोच और अनुशासित जीवन अपनाने का संदेश दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के प्राचार्य एवं जिला व्यवसाय शिक्षा एवं प्रशिक्षण अधिकारी श्री सचिन सूर्यवंशी ने की। इस अवसर पर संस्था प्रबंधन समिति के सदस्य श्री हर्षद शहा, उपप्राचार्य वी. डी. कंदलवाड सहित अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में प्रशिक्षणार्थी उपस्थित थे।
कार्यक्रम का संचालन गटनिदेशक एस. जी. सोनटक्के ने किया तथा आभार प्रदर्शन उपप्राचार्य वी. डी. कंदलवाड ने किया।

तृतीयपंथियों के लिए राष्ट्रीय हेल्पलाइन 14427 शुरू, नांदेड में व्यापक प्रचार

नांदेड, 12 जनवरी (स्रोत ज़िमाका,नांदेड़) — केंद्र सरकार द्वारा लागू ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019 तथा इसके अंतर्गत बनाए गए नियम 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन के तहत तृतीयपंथी समाज के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। केंद्र शासन की ओर से तृतीयपंथी व्यक्तियों के लिए एक विशेष पोर्टल विकसित किया गया है, जिसके माध्यम से राष्ट्रीय हेल्पलाइन क्रमांक 14427 उपलब्ध कराया गया है।

इस राष्ट्रीय हेल्पलाइन के जरिए तृतीयपंथी व्यक्तियों को उनके अधिकारों, कल्याणकारी योजनाओं, कानूनी संरक्षण, सामाजिक सुरक्षा तथा विभिन्न सरकारी सुविधाओं से संबंधित जानकारी, मार्गदर्शन और आवश्यक सहायता प्रदान की जाएगी। यह हेल्पलाइन देशभर में तृतीयपंथी समाज को सशक्त बनाने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है।

नांदेड जिले के अंतर्गत सभी शालाओं, महाविद्यालयों, शासकीय कार्यालयों तथा सार्वजनिक स्थलों पर इस राष्ट्रीय हेल्पलाइन क्रमांक के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए गए हैं, ताकि अधिक से अधिक तृतीयपंथी व्यक्ति इस सुविधा का लाभ उठा सकें। समाज कल्याण विभाग द्वारा इस पहल को प्रभावी रूप से लागू करने पर जोर दिया जा रहा है।

समाज कल्याण विभाग के सहायक आयुक्त शिवानंद मिंगिरे ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से यह जानकारी देते हुए कहा कि तृतीयपंथी समाज के अधिकारों की रक्षा, सम्मान और मुख्यधारा में सहभागिता सुनिश्चित करना शासन की प्राथमिकता है। उन्होंने नागरिकों से भी अपील की है कि वे इस हेल्पलाइन के बारे में अधिक से अधिक जागरूकता फैलाएं, ताकि जरूरतमंद तृतीयपंथी व्यक्तियों तक यह सुविधा समय पर पहुंच सके।

नांदेड के तरोडा में 'देशमुख vs देशमुख' की राजनैतिक टक्कर — वोट बंटने का सवाल!

नांदेड : महानगर निगम चुनाव के रण में नांदेड के प्रभाग क्रमांक 2-डी में एक अनोखी और चर्चा में रही लड़ाई देखने को मिल रही है। यहां मुकाबला सिर्फ राजनीतिक दलों के बीच नहीं, बल्कि एक ही परिवार के दो 'देशमुख' नेताओं के बीच ज़मीन पर उतर चुका है, जिसने पूरे तरोडा क्षेत्र का ध्यान खींच लिया है।

महाराष्ट्र कांग्रेस से नगरसेवक और पूर्व उपमहापौर सतीश देशमुख ने हाल ही में भाजपा में प्रवेश कर वही पार्टी से उम्मीदवार का टिकट पाकर राजनीति की दिशा बदल दी। उनके इस कदम से असंतोष बढ़ा और उनके पुराने सहयोगी संदीप देशमुख कांग्रेस के टिकट पर चुनावी मैदान में उतर गए। खास बात यह है कि संदीप को सतीश के छोटे भाई महेश देशमुख का समर्थन मिला है, जिससे यह टक्कर और भी प्रतिष्ठा की बन गई है।

राजनीतिक रूप से संवेदनशील माने जाने वाले तरोडा इलाके में 10 उम्मीदवार मैदान में हैं। इसमें बसपा, आम आदमी पार्टी, उद्धव सेना, एमआयएम और कई निर्दल उम्मीदवार भी शामिल हैं। चार देशमुख परिवार के उम्मीदवार और चार मुस्लिम-समाज से जुड़े प्रत्याशी होने के कारण वोट बैंक के विभाजन का दृश्य खासा जटिल दिख रहा है।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, इस प्रभाग की जीत का गणित अब निम्न कारकों पर निर्भर करेगा:

- पारंपरिक मतदाता प्रतिक्रिया
- मुस्लिम और दलित मतों का विभाजन
- देशमुख परिवार के अंदर एकता या मतभेद
- स्थानीय युवा और सामाजिक मुद्दों पर वोट का झुकाव

इन सभी के आधार पर यह स्पष्ट किया जा रहा है कि मत विभाजन किसके पथर पर भारी पड़ेगा, यही इस चुनाव का मुख्य विवाद बन चुका है।

स्वाधिकारी नंदिग्राम टाईम्स (नांदेड़) के मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक शेख जहूर शेख अहेमद द्वारा सहारा डिजाइनिंग एंड ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस, वाजेगांव, ता. व जि. नांदेड़ में मुद्रित तथा दैनिक नंदिग्राम टाईम्स, मुल्लाह मार्केट, खवी बिल्डिंग, नगरेश्वर मंदिर, नांदेड़–431604 (महाराष्ट्र) के कार्यालय से प्रकाशित। RNI-MAHHIN/2016/69743 मोबाइल संपर्क: 9921100075 | Email: ntinfodesk@gmail.com (वाद-विवाद हेतु न्यायक्षेत्र: नांदेड़ न्याय कक्षा में।)